nt>

13.25 hrs.

i. **RE: The problem of dilapidated condition of National Highways in Bihar**

Title : Regarding problems due to the dilapidated condition of National Highways in Bihar.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, 1992 से लेकर अभी तक केवल 1929 किलोमीटर सड़कों को बनाने के लिए लिया गया है। वे भी पूरी नहीं बन पाई हैं। कुछ ऐसे मार्ग हैं जिन्हें राट्रीय राजमार्ग घोाति किया जाना था, लेकिन उन्हें आज तक राट्रीय राजमार्ग घोाति नहीं किया गया है। हमारे बिहार में सभी राष्ट्रीय राजमार्गों की हालत खराब है। एन.एच 28, 78, एन.एच.33, 102, 103 और 104 सभी की हालत बहुत खराब है। बिहार सरकार मांग कर रही है, लेकिन केन्द्र सरकार की ओर से पैसा नहीं दिया जा रहा है। एन.एच. 77 और एन.एच. 78 ऐसे राजमार्ग हैं जो बहुत महत्वपूर्ण हैं। एन.एच. 78 का एस्टीमेट आया हुआ है। बिहार सरकार ने भेजा है, लेकिन केन्द्र सरकार की ओर से अभी तक स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है। उसमें 17 जिले पड़ते हैं। एन.एच. 78 हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, गोपालगंज, सहरसा, मधुबनी, दरभंगा आदि जिलों से होकर गुजरता है। माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि â€¦ (व्यवधान) सभी राजमार्गों की हालत खराब है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप जो बोलें, सदन में वही निर्णय होना चाहिए, यह कैसे हो सकता है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह गवर्नमेंट का निर्णय है।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न उपस्थित करना आपका काम है और आपने प्रश्न उपस्थित किया। मंत्री जी, आप उत्तर दें।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री (मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी) : रघुवंश जी ने जो

*Not Recorded.

बिन्दू उठाया है, उससे मैं भी चिंतित हूं।â€¦ (व्यवधान) बिहार की सड़कें बहुत खराब हैं, लेकिन उनसे मैं इस मामले में कुछ मदद चाहूंगा ताकि सड़कों में सुधार कर सकें।

मैं आपसे तीन मुख्य बिन्दुओं पर निवेदन कर रहा हूं। पहला यह कि जो पैसा दिया गया, उसका पूरा-पूरा इस्तेमाल करें। â€¦ (व्यवधान) मेन्टीनेंस में काफी पैसा सरेंडर हुआ है। इस साल 46 करोड़ रुपए

मेन्टीनेंस में दिए हैं, जिसमें से अभी 16 करोड़ रुपए इस्तेमाल हुए हैं। मैं निवेदन करूंगा कि जो पैसा मेन्टीनेंस के लिए मिलता है, उसका पूरा-पूरा इस्तेमाल करने की व्यवस्था करें। दूसरी बात मैं आपके ध्यान में यह लाना चाहता हूं कि वहां टैंडर देने की बहुत लम्बी प्रक्रिया है। पांच महीने के अंदर टैंडर देना चाहिए, लेकिन वहां इसमें दस-12-15 महीने लग रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं कुंवर अखिलेश सिंह जी से विनती करता हूं कि आप अपनी जगह पर जाकर बैठिए।â€¦ (व्यवधान)

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी : तीसरा काम यह है कि उस काम को पूरा करने में बहुत लम्बा समय लगता है, जो काम दो साल में पूरा होना चाहिए, उसमें तीन-तीन, चार-चार, पांच-पांच साल लग जाते हैं।â€¦ (व्यवधान) महोदय, एक काम अक्तूबर, 1991 से पूरा नहीं हुआ है।â€¦ (व्यवधान) इसके अंदर भी आप व्यवस्था करेंगे तो हमें सुविधा होगी।â€¦ (व्यवधान)

महोदय, अंतिम बात यह है कि वहां कई कंट्रेक्टर्स और सारे लोग लॉ एंड आर्डर की वजह से परेशान हैं। इन चीजों को आप ठीक करेंगे तो जो धन की आवश्यकता होगी, वह हम अवश्य देंगे।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं अब अगला विाय ले रहा हूं।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आपने एनएच 77 पर कितना रुपया दिया?â€¦ (व्यवधान)

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी : हमने एनएच 77 पर 16 करोड़ रुपया दिया है।â€¦ (व्यवधान)

SHRI V. DHANANJAYA KUMAR (MANGALORE): Sir, I am on a point of order. The House is not in order. Two Members are sitting in the well of the House.

MR. SPEAKER: There is no point of order.

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कुंवर अखिलेश सिंह जी, आपको यह शोभा नहीं देता है।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अखिलेश जी, आप जैसे व्यक्ति पार्लियामेंट की गरिमा को खराब करते हैं, यह अच्छी बात नहीं है।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : आपके इंजीनियर्स और सैक्रेट्री वहां निरीक्षण करने के लिए गए थे।â€¦ (व्यवधान) सारे पदाधिकारी उसका निरीक्षण करने के लिए गए थे।â€¦ (व्यवधान) 1978 में एनएच 102, 103 और 104 में,â€¦ (व्यवधान)

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी : महोदय, एनएच 77 में पांच करोड़ रुपया एक मद में दिया है। यह पांच करोड़ रुपए इस साल का है और पुराने सालों का अलग दिया है। पिछले साल जो मेन्टीनेंस का पैसा दिया था वह अभी तक खर्च नहीं हुआ है, बाकी का हिसाब मैं आपको बता दूंगा।â€¦ (व्यवधान)